पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2018-20 प्रकाशित: 16.04.2018 इस ... का मल्य 2 रुपये

।। ओ३म् ।।

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

स्वामी दीक्षानन्द स्मृति दिवस

रवि... 3 मई 2018

प्रातः 7 ... दोपहर 1 बजे तक

वैदिक साधन आश्रम,तपोवन,देहरादून

सपरिवार पधारें

दर्शन अग्निहोत्री, प्रधान

वर्ष-34 अंक-22 बैशाख-2075 दयानन्दाब्द 194 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2018 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.

प्रकाशित: 16.04.2018, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की राष्ट्रीय कार्यकारिणी व अंतरंग सभा की बैठक सार्वदेशिक सभा मुख्यालय, दयानन्द भवन नई दिल्ली में सम्पन्न

संस्कारित युवाओं के निर्माण के लिये 20 आवासीय शिविर लगाये जायेंगे–डा.अनिल आर्य

रविवार, 8 अप्रैल 2018, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् नई दिल्ली की राष्ट्रीय कार्यकारिणी व अन्तरंग सभा की बैठक सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा मुख्यालय, महर्षि दयानन्द भवन, नई दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य की अध्यक्षता में सोल्लास सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी ग्रीष्मकालीन अवकाश में आर्य युवाओं के निर्माण के लिये 20 आवासीय शिविर देश के विभिन्न स्थानों पर लगाने का निश्चय किया गया। डा. अनिल आर्य ने कहा कि युवाओं का चरित्र निर्माण आज राष्ट्र की सबसे बड़ी आवश्यकता है। परिषद् के राष्ट्रीय महामंत्री श्री महेन्द्र भाई ने बैठक का कुशल संचालन किया। प्रधान शिक्षक श्री सौरभ गुप्ता ने शिविरों की विस्तृत जानकारी सदन को दी। श्री प्रवीन आर्य (गाजियाबाद), वीरेन्द्र योगाचार्य (फरीदाबाद), रामकुमारसिंह आर्य (संचालक, दिल्ली प्रदेश), यशोवीर आर्य, दिनेश आर्य, आचार्य गवेन्द्र शास्त्री, यज्ञवीर चौहान, सुरेश आर्य (गाजियाबाद), अरूण आर्य, देवेन्द्र गुप्ता, कृष्णलाल राणा, देवदत आर्य, माधवसिंह, शिवम मिश्रा आदि ने भी अपने विचार रखे। आचार्य सतीश सत्यम के ओजस्वी गीतों ने वातावरण उत्साह जनक बना दिया। उपरोक्त चित्र में–आर्य नेता विजय सब्रवाल (महरौली) का अभिनन्दन करते डा.अनिल आर्य व साथी।

युवा संगीतकार आचार्य सतीश सत्यम का अभिनन्दन करते डा. अनिल आर्य, आचार्य गवेन्द्र शास्त्री, महेन्द्र भाई, यज्ञवीर चौहान, रामकुमार आर्य आदि।
द्वितीय चित्र–सार्वदेशिक सभा के सभागार का सुन्दर द्रश्य।

गुरूकुल खेड़ाखुर्द दिल्ली का 73वां वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न

संस्कारवान युवा गुरूकुलों से ही निकल सकते हैं –सांसद सुनील जाखड

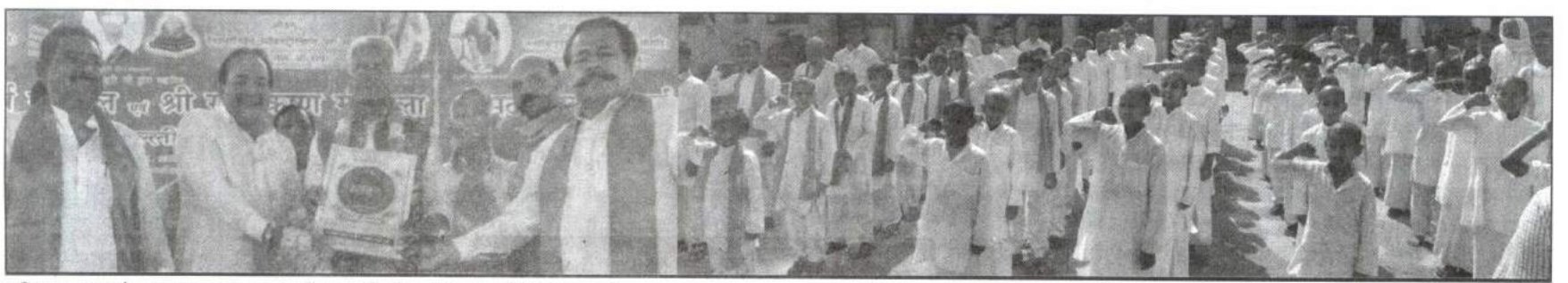

रविवार, 8 अप्रैल 2018, गुरूकुल खेड़ाखुर्द, दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि गुरूदासपुर, पंजाब के सांसद श्री सुनील जाखड़ ने कहा कि आज चरित्र निर्माण की राष्ट्र को बहुत आवश्यकता है और संस्कारवान युवा गुरूकुलों से पढ़कर ही निकल सकते हैं। उन्होंने गौ के महत्व पर प्रकाश डालते हुए गौरक्षा व गौशालाओं को खोलने पर बल दिया। गुरूकुल के प्रधान चौ.ब्रह्मप्रकाश मान, परिषद् अध्यक्ष डा. अनिल आर्य, मंत्री श्री मनोज मान ने सांसद को स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनन्दन किया। आचार्य सुधांशु जी ने संचालन किया। पूर्व विधायक नीलदमन खत्री, चौ. जसवन्तसिंह, कुलवंत राणा, बहिन शांतिदेवी, न्यायाधीश प्रगति राणा, वीरेन्द्रसिंह ठाकरान, संगीता चौधरी, राकेश चौधरी, सविता–प्रवीन गन्नौर, संजीव महाजन, ओमप्रकाश मनचंदा, लक्ष्मणसिंह आर्य, पार्षद अन्जु देवी, अमन कुमार डबास, देवेन्द्र राणा, वेदपाल मान, प्रवीन आर्या, अरूण आर्य, माधवसिंह आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। प्रधान चौ. ब्रह्मप्रकाश मान ने गुरूकुल की गतिविधियों की जानकारी दी व सभी का आभार व्यक्त किया ।

पूजा क्या, किसकी, कैसे व क्यों करे?

–मनमोहन कुमार आर्य, देहरादून।

मनुष्य जानता है कि वह अपूर्ण हैं। उसे अपने कार्यों को पूरा करने में दूसरे मनुष्यों की सहायता लेनी पड़ती है। कुछ काम ऐसे भी होते हैं, जहां मनुष्यों की सहायता से काम नहीं चलता क्योंकि मनुष्य वह कार्य नहीं कर सकते जिसकी हमें अपेक्षा होती है। ऐसा देखा गया है कि कई बार कुछ विवाहित दम्पत्तियों की सन्तान नहीं होती। चिकित्सा से भी उन्हें लाभ नहीं होता। उन्हें कहा जाता है कि परमात्मा की विशेष पूजा या कोई यज्ञ हवन आदि कराया जाये तो सम्भव है कि दम्पत्ति का मनोरथ पूरा हो जाये। ऐसा भी देखने को मिला है कि कई बार कुछ चिकित्सा एवं ईश्वर की उपासना व यज्ञ आदि कार्यों से मनुष्य के मनोरथ सिद्ध हो जाते हैं। अतः मनुष्यों से भिन्न ईश्वरीय वा दैवीय शक्ति की पूजा व उसकी स्तुति, प्रार्थना, उपासना, यज्ञ–अग्निहोत्र व चिकित्सा आदि कुछ अन्य उपायों से कई कार्यों की सिद्धि होती है जो अन्यथा नहीं होती। हमें पूजा का वास्तविक स्वरूप समझना चाहिये तभी हमारी पूजा ठीक प्रकार से हो सकेगी और उससे हमें अपेक्षित लाभ भी होगा। पूजा का अर्थ किसी की सेवा व सत्कार करना होता है। सेवा व सत्कार चेतन मनुष्य का व पशु–पक्षी आदि प्राणियों का ही किया जा सकता है। मनुष्यों में हम सबसे अधिक अपने माता–पिता के ऋणी होते हैं। उसके बाद हमारे ऊपर सबसे अधिक उपकार व लाभ हमारे आचार्यों व गुरुजनों को होता है। इनकी हमें सेवा करनी चाहिये और सत्कार के अन्तर्गत उनकी आज्ञा का पालन, उनको अन्न, जल, आवास, वस्त्र, उनके प्रति मधुर व्यवहार, धन व मान–सम्मान से उन्हें सन्तुष्ट रखना चाहिये। माता, पिता व आचार्य व आचार्या के अतिरिक्त हमारे परिवार के वृद्धजन व समाज के सच्चे उपकारक व सुधारक लोग भी हमारी सेवा व सत्कार के अधिकारी होते हैं। इनकी भी हमें सेवा रूपी पूजा करनी चाहिये। पशुओं में गाय, बैल, भैंस, बकरी, भेड़ आदि होते हैं जिनसे हमें दैनन्दिन जीवन में लाभ मिलता है। उनके प्रति भी हमारा आदर, प्रेम व सम्मान का भाव होना चाहिये और उनके जीवन सुखद बनाने के लिए हमें उन्हें भोजन व आश्रय आदि देकर योगदान करना चाहिये। इससे हम इनके ऋण से उऋण होते हैं।

माता, पिता, आचार्य, परिवार व समाज के वृद्धजन तथा सभी प्राणी चेतन देवता हैं। इसी प्रकार से पृथिवी, सूर्य, चन्द्र, अग्नि, वायु, जल, आकाश आदि जड़ देवता है। जड़ देवता का अर्थ हैं इन देवताओं से हमें अनेक लाभ प्राप्त होते हैं। हमारा यह शरीर भी इन्हीं के सहयोग से बना हुआ है और इनके सहयोग से ही जीवित रहता व चलता है। अतः इनके हम पर अनेक उपकार होने से यह भी हमारे पूजनीय वा सेवनीय देवता हैं। सूर्य की पूजा का अर्थ हैं कि हम सूर्य के गुण, कर्म व स्वभाव को जानें और उससे स्वयं लाभान्वित होने के साथ अन्यों को भी लाभान्वित करें। इसी प्रकार से अन्य सभी जड़ देवताओं के प्रति भी हमारा कर्तव्य है। यह जड़ देवता हमारी प्रार्थना के पात्र नहीं हैं। यदि हम इनसे किसी प्रकार की प्रार्थना अथवा इनकी स्तुति एवं उपासना करेंगे भी तो अचेतन होने से इनको उसका ज्ञान नहीं होगा। जब ज्ञान ही नहीं होगा तो वह हमें लाभ कैसे पहुंचायेंगे। इसके लिए तो हमें उनके गुणों आदि का अध्ययन कर उनसे एक वैज्ञानिक व ज्ञानी मनुष्य के समान उपयोग लेना होगा। यही इन जड़ देवताओं व पदार्थों की पूजा होती है। इसके बाद हमें यह विचार आता है कि हमारा यह संसार कैसे बना है? कौन इसे चला रहा है, क्या यह हमेशा इसी प्रकार से चलता रहेगा या कभी नाश को भी प्राप्त होगा? आदि प्रश्न ऐसे हैं कि जिन पर हम यदि विचार करें तो हमें इनके सत्य व यथार्थ उत्तर सूझते नहीं हैं। इनके सत्य उत्तर हमें वेदों, उपनिषद, दर्शन, ब्राह्मण ग्रन्थ, मनुस्मृति सहित कुछ कुछ बाल्मीकि रामायण और महाभारत आदि ग्रन्थों में मिलते हैं। वेदों का अध्ययन करने व उनका ज्ञान हो जाने पर ईश्वर, जीवात्मा व प्रकृति विषयक हमें पूर्ण ज्ञान प्राप्त हो जाता है। वेदों का अध्ययन करने पर यह भी विदित होता है कि वेद मनुष्यकृत वा पौरुषेय ज्ञान नहीं है। यह अपौरूषेय वा ईश्वरीय ज्ञान है। वेदों के अध्ययन से यह भी ज्ञात होता है कि ईश्वर सच्चिदानन्दस्वरूप, निराकार, सर्वज्ञ, सर्वशक्तिमान, सृष्टिकर्ता, न्यायकारी, दयालु, अजन्मा, अनन्त, निर्विकार, अनादि, अनुपम, सर्वाधार, सर्वेश्वर, सर्वव्यापक, सर्वान्तर्यामी, अजर, अमर, अभय, नित्य व पवित्र है। इन व ऐसे अनन्त गुणों के कारण ही हम सब मनुष्यों का पूज्य, पूजा के योग्य व उपासनीय एकमात्र ईश्वर है।

हम वेदों में ईश्वर की आज्ञा को जानकर उसका पालन करें, उसकी स्तुति, प्रार्थना व उपासना द्वारा उसको प्रसन्न व सन्तुष्ट रखें, यही हमारा कर्तव्य है। इसके साथ ही हम स्वयं को पक्षपातरहित व सबसे प्रीतिपूर्वक, धर्मानुसार व यथायोग्य व्यवहार करने वाला बनायें। सत्य के ग्रहण करने और असत्य के त्याग में सर्वदा उद्यत रहें। वेद के पढ़ने और पढ़ाने तथा दूसरों को वेद सुनाने व दूसरे विद्वानों से स्वयं सुनने में भी सदैव तत्पर रहें और इसे अपना परम धर्म मानें। ऐसी अनेक बातें हैं जिनको मानना व उन पर आचरण करना ही ईश्वर की स्तुति व उसकी उपासना कहलाती है। हमारे समस्त पूर्वज ऋषि, महात्मा, महापुरुष, ज्ञानी व विद्वान ऐसा ही करते थे। उन्हीं का अनुसरण हमें भी करना है। ईश्वर की पूजा वा उपासना की विधि योग दर्शन में वर्णित है। ईश्वर का विचार, चिन्तन, ध्यान व ईश्वर का गुण कीर्तन करते हुए उसमें खो जाना वा डूब जाना, यही ईश्वर की यथार्थ उपासना कहलाती है। महर्षि दयानन्द सरस्वती जी ने भी उपासना के लिए सन्ध्या वा पंचमहायज्ञ विधि की एक लघु पुस्तक लिखी है जिसमें सन्ध्या व अग्निहोत्र सहित अन्य प्रमुख कर्तव्यों का उल्लेख व उनका वर्णन है। साथ ही उन कर्मों को करने की विधि भी पुस्तक में दी गई है। ऐसा करके हम ईश्वर की सत्य व यथार्थ पूजा वा उपासना कर सकते हैं और इससे धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष को प्राप्त कर सकते हैं। ऐसा करना ही वेद, शास्त्र और ऋषि परम्परा के अनुकूल है और यही हम मनुष्यों के लिए उपादेय है। इससे हमारे सभी सत्य मनोरथ पूर्ण होते हैं। हमने जो प्रश्न उठायें है यथा हमारा यह संसार कैसे बना? कौन इसे चला रहा है, क्या यह हमेशा इसी प्रकार से चलता रहेगा या कभी नाश को भी प्राप्त होगा, इनके उत्तर है कि सर्वशक्तिमान व सर्वव्यापक ईश्वर ने पूर्व कल्प के अनुसार मूल त्रिगुणात्मक प्रकृति से इस संसार की रचना की है जिसे बने हुए 1.96 अरब वर्ष बीत चुके हैं। इस समस्त ब्रह्माण्ड को सर्वव्यापक ईश्वर ने धारण किया हुआ है और वही इसका पालन कर रहा है। उसी से यह संसार व हम सब प्राणी रक्षित हैं। यह संसार हमेशा ऐसा ही नहीं चलेगा। एक ब्राह्म दिन पूरा होने अर्थात् ब्राह्म दिन जो कि 4.32 अरब वर्षों का होता है, इसके पूरा होने पर यह संसार अपने कारण मूल प्रकृति में विलीन हो जायेगा। प्रलय की अवधि एक ब्राह्म रात्रि पूर्ण होने पर पुनः ईश्वर नई सृष्टि की रचना करेंगे जिसमें हमारे कर्मों व प्रारब्ध के अनुसार जन्म होंगे।

महाभारतकाल के बाद देश अज्ञान के अन्धकार में लुप्त हो गया। वैदिक ज्ञान अस्त हो गया और उसके स्थान पर उसका विकृत स्वरूप प्रचलित होना आरम्भ हुआ जो बाद में पाषाण मूर्तिपूजा, मृतक श्राद्ध, फलित ज्योतिष, गंगा आदि नदियों में स्नान से पाप क्षमा मानना व उसे ही मुक्ति का साधन मानना, सामाजिक विषमता व असमानता, समाज में पक्षपात, भेदभाव, अन्याय व शोषण आदि प्रचति हो गये। इसमें मूर्तिपूजा व फलित ज्योतिष ने देश व समाज के हितों सहित वैदिक धर्म व संस्कृति को विकृत व नष्ट करने का कार्य किया है। ईश्वर सच्चिदानन्द, निराकार, सर्वव्यापक व सर्वज्ञ आदि गुणों वाला है। यह गुण मूर्ति में किंचित भी नहीं है। अतः पाषाण व धातु की मूर्ति बनाकर उससे ईश्वर की पूजा व उपासना करना सम्पन्न नहीं होता। ईश्वर चेतन है, मूर्ति जड़ है। यह दोनों परस्पर विरोधी गुण हैं। ईश्वर सर्वशक्तिमान है तो मूर्ति शक्ति रहित है। ईश्वर सर्वज्ञानमय वा सर्वज्ञ है तथा मूर्ति ज्ञान से सर्वथा शून्य है। ईश्वर अजर, अमर व निर्विकार है तथा मूर्ति अग्नि से नष्ट होने वाली, इसका आदि व अन्त दोनों है तथा इसमें समय के साथ विकार अर्थात् टूट फूट व चोरी आदि होता रहता है। अतः ईश्वर की पूजा व उपासना का स्थान मूर्ति की पूजा नहीं ले सकती। ईश्वर की उपासना तो ध्यान व चिन्तन, वेदों व वैदिक ग्रन्थों के स्वाध्याय, समाधि लगाना व ईश्वर की स्तुति, प्रार्थना आदि करके ही हो सकती है। अतः अपना कल्याण चाहने वाले सभी मनुष्यों को वेद विरुद्ध मूर्तिपूजा व फलित ज्योतिष आदि सभी अवैदिक कृत्यों का तत्काल त्याग कर देना चाहिये ओर वैदिक योग की रीति से ईश्वर की उपासना, यज्ञ व अग्निहोत्र सहित माता–पिता–आचार्य–वृद्धजनों की पूजा वा सत्कार एवं सभी प्राणियों को सेवा, उन्हें भोजन आदि प्रदान करना करके करनी चाहिये। ऐसा करके ही हम ईश्वर की आज्ञा का पालन कर स्वस्थ, सुखी, आनन्दित रह सकते हैं और धर्म, अर्थ, काम व मोक्ष की प्राप्ति कर सकते हैं।

–196 चुक्खूवाला–2, देहरादून–248001, फोनः09412985121

सार्वदेशिक आर्य वीरांगना शिविर

सार्वदेशिक आर्य वीरांगना दल का राष्ट्रीय शिविर दिनांक 27 मई से 3 जून 2018 तक आर्य कन्या इन्टर कॉलेज, मुठ्ठीगज, इलाहाबाद में लगाया जायेगा। इच्छुक बालिकायें सम्पर्क करें –आरती खुराना, सचिवः 9910234595

– मृदुला चौहान, संचालिका

आओ, तपोवन देहरादून का वार्षिक यज्ञ

वैदिक भक्ति आश्रम, तपोवन, देहरादून का वार्षिक यज्ञ दिनांक 9 मई से 13 मई 2018 तक चलेगा। दिल्ली से जाने वाले आर्य बन्धुओं के लिये शुक्रवार, 11 मई 2018 को रात्री 10 बजे दो ए.सी. बसों की व्यवस्था रहेगी जिसका किराया प्रति सीट 600/– रू रहेगा। बसें 12 मई प्रातः 6 बजे हरिद्वार पंहुचेगी, भ्रमण–स्नान आदि से निवृत होकर दोपहर बाद तपोवन आयेंगी और रविवार, 13 मई 2018 को पूर्णाहूति व स्वामी दीक्षानन्द स्मृति दिवस सम्पन्न करके दोपहर 2 बजे वापिस दिल्ली के लिये प्रस्थान करेंगी व रात्री दिल्ली पंहुचेगी। यदि एक बस की सवारी सीधा तपोवन ही जाना चाहेगी तो वैसी व्यवस्था कर दी जायेगी। सम्पर्क सूत्रः 9971467978, 9911404423, 9818530543

देवराज आर्य मित्र नहीं रहे

आर्य लेखक, प्रचारक,आर्य समाज, हरिनगर, घन्टाघर, दिल्ली के सदस्य, पूर्व आर्य समाज, बल्लभगढ़ से सम्बन्धित, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के शिविरार्थी का निधन गत् 30 मार्च 2018 को हो गया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् उनके निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करता है। उनके सुपुत्र राकेश आर्य ने पिताजी के कार्य को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

28वां अमेरिका आर्य महासम्मेलन

आर्य प्रतिनिधि सभा अमेरिका के तत्वावधान में 28 वां आर्य महासम्मेलन दिनांक 19 जुलाई से 22 जुलाई 2018 तक अटलांटा में आयोजित किया जा रहा है। सभी आर्य जन सादर आमन्त्रित हैं। दिल्ली से जाने के इच्छुक सम्पर्क करें–देवेन्द्र भगत–9958889970.

आर्य समाज, हापुड़ का उत्सव

आर्य समाज,हापुड़ का वार्षिकोत्सव दिनांक 26,27,28,29 अप्रैल 2018 को आयोजित किया जा रहा है। आर्य समाज के उच्चकोटि के विद्वान, संन्यासी पधार रहे हैं। सभी आर्य जन सादर आमन्त्रित हैं– आनन्दप्रकाश आर्य, प्रधान

जहां नहीं होता कभी विश्राम ॥ ओ३म् ॥ आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

हर राहे गुजर पर शमां जलाना है मेरा काम, हवा का रूख क्या है मैं देखता नहीं...

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का आह्वान

मातृ पितृ भक्त, ईश्वर भक्त, देशभक्त, चरित्रवान युवा पीढ़ी का करेंगे निर्माण

बलमुपास्व

1. राष्ट्रीय युवक चरित्र निर्माण शिविर

शनिवार 9 जून से रविवार 17 जून 2018 तक

स्थान : दयानन्द मॉडल स्कूल, विवेक विहार, दिल्ली-95

सम्पर्क : श्री सौरभ गुप्ता- 9971467978, श्री अरुण आर्य - 9818530543

2. दिल्ली आर्य कन्या चरित्र निर्माण शिविर

रविवार 20 मई से रविवार 27 मई 2018 तक

स्थान: गीता भारती पब्लिक स्कूल, अशोक विहार-2, दिल्ली

उर्मिला आर्या-9711161843, अर्चना पुष्करणा-9899555280 विजय हंस-9211239397

3. आगरा आर्य कन्या शिविर

रविवार 10 जून से रविवार 17 जून 2018 तक

स्थान: कृष्णा इण्टरनेशनल स्कूल, महुआ खेड़ा, जिला आगरा

श्री रमाकान्त सारस्वत-9719003853, श्री हरिशंकर अग्निहोत्री-9897060822

4. राजस्थान प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर

रविवार 3 जून से रविवार 10 जून 2018 तक

डी.वी.एम. पब्लिक स्कूल, नारनौल रोड, बहरोड़, जिला अलवर

सम्पर्क: आचार्य रामकृष्ण शास्त्री-09887669603 मा. सत्यपाल आर्य-9001982643

5. हरियाणा प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर

रविवार 3 जून से रविवार 10 जून 2018 तक

स्थान: श्रद्धा मन्दिर स्कूल, सैक्टर-87, फरीदाबाद

डॉ. गजराज सिंह-9213771515, जितेन्द्र सिंह-9210038065, वीरेन्द्र योगाचार्य-9350615369

6. पलवल युवक निर्माण शिविर

सोमवार 11 जून से रविवार 17 जून 2018 तक

स्थान: डी.जी. खान सी.सै.स्कूल, रेलवे रोड, पलवल, हरियाणा

सम्पर्क: स्वामी श्रद्धानन्द जी-9416267482, वी. के. आर्य-9416477166

7. कैथल युवक निर्माण शिविर

शुक्रवार 1 जून से मंगलवार 5 जून 2018 तक

स्थान: आर्य विद्यापीठ स्कूल, पवनावा, जिला कैथल

सम्पर्क: आचार्य राजेश्वर मुनि-9896960064

8. राष्ट्रीय शिक्षक अभ्यास शिविर

वीरवार 12 अप्रैल से रविवार 15 अप्रैल 2018 तक

स्थान: गुरुकुल ग्राम खेड़ाखुर्द, दिल्ली-110082

सम्पर्क: श्री मनोज मान-9868174111, सूर्यदेव आर्य-9416615536

9. मध्य प्रदेश प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर

रविवार 27 मई से वीरवार 31 मई 2018 तक

स्थान: ब्राईट कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कूल, सिहोर, मध्यप्रदेश

सम्पर्क: आ. भानुप्रताप वेदालंकार-09977967777, विजय राठौर-6260547277

10. उत्तराखण्ड योग-आयुर्वेद-प्राकृतिक चिकित्सा शिविर

शुक्रवार 1 जून से वीरवार 7 जून 2018 तक

स्थान : गुरुकुल कण्वाश्रम, कोटद्वार, पौढ़ी गढ़वाल

सम्पर्क : ब्र. विश्वपाल जयन्त-09837162511

11. जम्मू-कश्मीर युवक निर्माण शिविर

सोमवार 18 जून से रविवार 24 जून 2018 तक

स्थान : आर्य समाज, जानीपुर, जम्मू

सम्पर्क : श्री सुभाष बब्बर-09419301915, रमेश खजुरिया-9797384053

12. उड़ीसा युवक निर्माण शिविर

शनिवार 5 मई से शुक्रवार 11 मई 2018 तक

स्थान: वेद व्यास संस्कृत महाविद्यालय, राऊरकेला, उड़ीसा

सम्पर्क : आचार्य धनेश्वर बेहरा-09337117429

13. जयपुर युवक निर्माण शिविर

सोमवार 18 जून से रविवार 24 जून 2018 तक

संस्कार भवन, जी. एस. सैनी नर्सिंग कालेज, रामपुरा रोड, जयपुर

सम्पर्क : श्री यशपाल यश-09414360248, डॉ. प्रमोद पाल-9828014018

14. जयपुर आर्य कन्या शिविर

मंगलवार 1 मई से रविवार 6 मई 2018 तक

संस्कार भवन, जी.एस. सैनी नर्सिंग कालेज, रामपुरा रोड, जयपुर

सम्पर्क : श्री यशपाल यश-09414360248, डॉ. प्रमोद पाल-9828014018

15. उत्तराखण्ड युवक निर्माण शिविर

सोमवार 18 जून से 24 जून 2018 तक

स्थान: सैनिक हाई स्कूल, बागेश्वर, उत्तराखण्ड

संरक्षक: गोविन्दसिहं भण्डारी-09412930200, संयोजक: शंकर गोस्वामी-9411079503

16. इन्दौर युवक निर्माण शिविर

रविवार 20 मई से रविवार 27 मई 2018 तक

स्थान: प्रज्ञा गर्ल्स स्कूल, बिछोली मरदाना, इन्दौर, मध्यप्रदेश

संयोजक: भानुप्रताप वेदालंकार-9977987777, अविनाश शास्त्री-7222955300

17. करनाल युवक निर्माण शिविर

मंगलवार 19 जून से रविवार 24 जून 2018 तक

स्थान: आर्य समाज प्रेम नगर, करनाल, हरियाणा

स्वतन्त्र कुकरेजा-9813041360, अजय आर्य-9416128075, रोशन आर्य-9812020862

18. झारखण्ड आर्य कन्या शिविर

रविवार 13 मई से रविवार 20 मई 2018 तक

स्थान: आर्ष कन्या गुरुकुल, आर्य समाज हजारीबाग, झारखण्ड

संयोजक: आचार्य कृष्णदेव कौटिल्य-9430309525, आचार्य पूष्पा शास्त्री

19. जीन्द युवक निर्माण शिविर

रविवार 20 मई से रविवार 27 मई 2018 तक

स्थान: स्वामी दयानन्द हाई स्कूल,भटनागर कालोनी, रोहतक रोड, जीन्द

सुर्यदेव आर्य-9416715537, श्रीकृष्ण दहिया-9812781154, योगेन्द्र शास्त्री-9416138045

20. यमुना नगर युवक निर्माण शिविर

सोमवार 28 मई से शनिवार 2 जून 2018 तक

स्थान: वैदिक वाटिका, ग्राम संभोली, जिला यमुनानगर, हरियाणा

संयोजक: आचार्य गोपाल शर्मा-9996561444

शिविरों के 'उद्घाटन व समापन' पर दल बल सहित पहुँचे व तन-मन-धन से सहयोग प्रदान करें

निवेदक

डा. अनिल आर्य	महेन्द्र भाई	रामकुमार सिंह	गवेन्द्र शास्त्री	धर्मपाल आर्य
राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय महामंत्री	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	राष्ट्रीय बौद्धिकाध्यक्ष	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
9810117464	9013137070	9868064422	9810884124	9871581398

केन्द्रीय कार्यालय: आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007, फोन-7550568450, 9958889970

Email: aryayouth@gmail.com Website: www.aryayuvakparishad.com Join-http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

गुरूकुल कण्वाश्रम, कोटद्वार,पौड़ी गढ़वाल का बसन्त उत्सव सोल्लास सम्पन्न

रविवार, 1 अप्रैल 2018, वीर भरत की जन्म स्थली, महर्षि कण्व की तपोभूमि, शकुन्तला–दुष्यन्त की प्रिय स्थली गुरूकुल कण्वाश्रम, कोटद्वार, पोड़ी गढ़वाल, का वार्षिक बसन्त उत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर दिल्ली से ठाकुर विकम सिंह ने भी पधार कर आशीर्वाद प्रदान किया। चित्र में–गुरूकुल के संस्थापक व केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् उत्तराखण्ड के प्रान्तीय अध्यक्ष ब्र.विश्वपाल जयन्त का अभिनन्दन करते परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य, प्रवीन आर्या व माधवसिंह आर्य। द्वितीय चित्र–प्रवीन आर्या का अभिनन्दन करते डा. नीलम चौधरी, राजवीर शास्त्री आदि।

आनन्दधाम आश्रम, हरिद्वार में योग साधना शिविर सम्पन्न

वैदिक योग आश्रम, आनन्दधाम, हरिपुर कलां, हरिद्वार में आचार्य अखिलेश्वर जी के सान्निध्य में योग साधना शिविर दिनांक 28 मार्च से 1 अप्रैल 2018 तक सोल्लास सम्पन्न हुआ। मंत्री शिवनारायण ग्रोवर व मनीष आर्य ने संचालन किया। इस अवसर पर दिल्ली से डा. अनिल आर्य ने भी पधार कर शुभकामनायें प्रदान की। चित्र में–आचार्य अखिलेश्वर जी के साथ–डा. अनिल आर्य, प्रवीन आर्या, विनोद कालरा, राजीव आर्य, सुषमा शर्मा, अर्जुनदास बत्रा, सुभाष त्रेहन, प्रवीन वधवा आदि।

महेन्द्रसिंह शास्त्री से स्वामी नित्यानन्द बने व व्यास आश्रम,हरिद्वार

गुरूग्राम के कर्मठ आर्य कार्यकर्ता,उपमंत्री सार्वदेशिक सभा श्री महेन्द्रसिंह शास्त्री ने स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ, रोहतक में संन्यास की दीक्षा ली, वह अब स्वामी नित्यानन्द के नाम से जाने जायेगे। आप 1982 में केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् गुरूग्राम के जिला अध्यक्ष रहे व आपके नेतृत्व में 80 आर्य युवकों का जत्था अजमेर महर्षि दयानन्द निर्वाण शताब्दी में सेवा के लिये भाग लेने गया। उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की स्पेशल ट्रेन अजमेर शताब्दी पर गयी थी जिसमें 1000 आर्य युवक पूर्ण गणवेश में सम्मिलित हुए थे ओर सारा सेवा कार्य सम्भाला था । नयी जीवन यात्रा के लिये स्वामी जी को शुभकामनाये प्रदान करते स्वामी आर्य वेश जी,डा.अनिल आर्य,स्वामी चन्द्रवेश जी,स्वामी धर्मेश्वरानन्द जी,रामकुमार आर्य व ब्र.दीक्षेन्द्र आदि। द्वितीय चित्र–शनिवार, 31 मार्च 2018,हरिद्वार के व्यास आश्रम में माता शान्तिदेवी व माता विमला गुप्ता(90 वर्ष) का अभिनन्दन करते डा.अनिल आर्य,प्रवीन आर्या,रमेश गुप्ता व उपकार गुप्ता।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय शिक्षक शिविर का शुभारम्भ

वीरवार, 12 अप्रैल 2018,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय शिक्षक शिविर का गुरूकुल खेड़ाखुर्द,दिल्ली में शुभारम्भ हो गया। शिविर में 40 शिक्षक अभ्यास कर रहे हैं। चित्र में–ध्वजारोहण के समय संचालन करते संयोजक सौरभ गुप्ता,साथ में आचार्य महेन्द्र भाई,आचार्य सुधांशु,डा.अनिल आर्य,प्रवीन आर्या,गुरूकुल के मंत्री मनोज मान व अमित मान । द्वितीय चित्र में यज्ञ करते हुए आर्य युवक,मंच पर वरूण आर्य,सौरभ गुप्ता,गौरव सिंह व प्रधान शिक्षक योगेन्द्र शास्त्री।

गुरूकुल झज्जर में प्रवेश प्रारम्भ

आर्ष पाठ विधि के केन्द्र गुरूकुल महाविद्यालय, झज्जर, हरियाणा में प्रवेश प्रारम्भ है, पांचवी कक्षा उतीर्ण आवेदन कर सकते है। विस्तृत जानकारी हेतु सम्पर्क करें– 9416055044, 9416661019.

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970